Publication: Uttarshakti
Date: 2.11.2025

प्रेमलता वंद्रावन शाह चैरिटीज और रोटरी क्लब ऑफ बॉम्बे ने सेंट जूड इंडिया चाइल्डकेयर सेंटर्स के साथ 21 आवासीय केंद्रों का उद्घाटन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रेमलता वंद्रावन शाह चैरिटीज और रोटरी क्लब ऑफ बॉम्बे ने सेंट जूड इंडिया चाइल्डकेयर सेंटर्स के साथ मिलकर नवी मुंबई में एक नए, अत्याधुनिक सुविधा केंद्र में 21 आवासीय केंद्रों का उद्घाटन किया, जो बाल कैंसर से जूझ रहे परिवारों की सहायता के लिए एक नया अध्याय शुरू करेगा। ये केंद्र, इन साझेदारों द्वारा चल पूंजीगत व्यय के लिए दिए गए सहयोग से संभव हुए हैं और टाटा मेमोरियल सेंटर के एक भाग, एडवांस्ड सेंटर फॉर ट्रीटमेंट, रिसर्च एंड एजुकेशन इन कैंसर के भीतर स्थित हैं। यह नया परिसर कमजोर परिवारों को समग्र सहायता प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उद्घाटन प्रेमलता वंद्रावन शाह चैरिटीज के दिलीप शाह और सुधीर शाह की उपस्थिति में हुआ, साथ ही मुख्य अतिथि रोटेरियन डॉ. मनीष मोटवानी, जिला गवर्नर, आरआईडी 3141, और सम्माननीय अतिथि रोटेरियन बिमल मेहता, अध्यक्ष, रोटरी क्लब ऑफ बॉम्बे, और रोटेरियन हितेश फोजदार, अध्यक्ष, रोटरी क्लब ऑफ बॉम्बे हैंगिंग गार्डन, साथ ही सुश्री मनीषा पार्थसारथी, अध्यक्ष, सेंट ज्यूड्स इंडिया, और अनिल नायर, सीईओ, सेंट ज्यूड्स इंडिया भी उपस्थित थे।

सभी 21 केंद्रों के चल पूंजीगत व्यय के लिए अपने समर्थन के अलावा, प्रेमलता वंद्रावन शाह चैरिटीज और रोटरी क्लब ने केंद्र और अस्पताल के बीच परिवारों के दैनिक परिवहन की सुविधा के लिए 25 सीटों वाली वैन का भी योगदान दिया है, जिससे उपचाराधीन बच्चों के लिए सहायता प्रणाली को और अधिक मजबूत किया जा सके।

रोटेरियन दिलीप शाह अपने भाइयों रोहित और सुधीर शाह के साथ लगभग दो दशकों से सेंट ज्यूड्स इंडिया के एक अटल राजदूत रहे हैं। अपने परिवार की प्रसिद्ध परोपकारी शाखा, प्रेमलता वंद्रावन शाह चैरिटीज के माध्यम से, वह वर्तमान में सेंट ज्यूड्स के मुंबई केंद्रों में 30 पारिवारिक इकाइयों का समर्थन करते हैं, साथ ही कॉटन ग्रीन में तीन और हैदराबाद में एक केंद्र के पूंजीगत व्यय का वित्तपोषण भी करते हैं।

पीवीएससी के रोटेरियन दिलीप शाह ने कहा, पीवीएससी लंबे समय से सेंट ज्यूड्स से जुड़ा हुआ है, लेकिन इस नए खारघर प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना हमारे लिए ईश्वर का वरदान है। बच्चों के कैंसर से जूझ रहे माता-पिता की स्थिति की कल्पना कीजिए, जिन्हें सुरक्षित आवास और पोषण संबंधी सहायता के अभाव में इलाज बीच में ही छोड़ना पड़ रहा है। सेंट ज्यूड्स के सीईओ अनिल नायर ने कहा, जो परिवार अपने बच्चे के कैंसर के इलाज के लिए बड़े शहरों में जाते हैं, उनके लिए सेंट ज्यूड्स आराम और देखभाल से कहीं बढ़कर है—यह उन्हें 'घर से दूर घर' जैसा माहौल देता है।